No. of Printed Pages : 6

M.Phil.TT / Ph.D.TT

M.Phil/Ph.D. IN TRANSLATION STUDIES

00376

Entrance Test, 2018

Time : 3 hours *Maximum Marks : 100*

Note :

*(i) Attempt **all** questions.*

(ii) Marks are reflected against each question.

PART I

1. Discuss the role of research in creation of knowledge. *20*

OR

What are the attributes of a good researcher ?

2. Prepare a synopsis of research in any area of translation. *20*

OR

Identify a topic of your choice for research and discuss the various stages that you would follow before writing the dissertation.

3. Write a short note on any ***one*** of the following : *10*

(a) Using library resources for research

(b) Style Sheet

PART II

4. Discuss the importance of translation in the present century. *20*

OR

Translation is a means of cultural understanding in Indian Multilingual Society. Elaborate.

5. (a) Translate the following into Hindi : *10*

The Upanishads are rightly regarded as the fountainhead of all Indian philosophy. Bloomfield remarks, "There is no important form of Hindu thought, heterodox Buddhism included, which is not rooted in the Upanishads." Dr. S. Radhakrishnan says : "Later systems of philosophy display an almost pathetic anxiety to accommodate their doctrines to the views of the Upanishads, even if they cannot father them all on them." Prof. R.D. Ranade says : "The Upanishads constitute that lofty eminence of philosophy, which from its various sides gives birth to rivulets of thought, which, as they progress onwards the sea of life, gather strength by the inflow of innumerable tributaries of speculation which intermittently join these rivulets, so as to make a huge expanse of waters at the place where they meet the ocean of life.

OR

The growth of critical theory in the post-war period seems to comprise a series of waves, each associated with a specific decade, and all aimed against the liberal humanist consensus just illustrated, which had been established between the 1930s and 1950s. In the 1960s, firstly, there were two older, but still unassimilated, rival new approaches, these being Marxist criticism, which had been pioneered in the 1930s and then reborn in the 1960s as psychoanalytic criticism, which was of the same vintage and was similarly renewing itself in the 1960s. At the same time two new approaches were mounting vigorous direct assaults on liberal humanist orthodoxies, namely, linguistic criticism which came into being in the early 1960s and the early forms of feminist criticism, which started to become a significant factor at the end of the decade.

(b) Translate the following into English : *10*

ब्रिटेन और अन्य देशों की मशीन से बनी सस्ती वस्तुओं की भारत में जो बाढ़ आई, वह ग्रामीण शिल्प के ह्रास का मूल कारण थी । रेलवे और बसों की मदद से हर सामान आसानी से गाँवों में पहुँचने लगा । रेलवे और वाष्पचालित जलयानों के कारण यूरोप के मशीन मालिकों के लिए भारतीय किसानों को उनके अपने ग्रामीण शिल्पकारों से भी कम दाम में सामान देना संभव हो गया । अन्तर्राष्ट्रीय विशिष्टता और वाणिज्य ने आत्मनिर्भर स्थानीय अर्थव्यवस्था की जगह ली और यह भारतीय कारीगरों के पराभव का मूल कारण था । उन्नीसवीं सदी के उत्तरार्ध में और उसके बाद भी स्वयं भारत में जो आधुनिक उद्योगों का विकास हुआ उसके कारण भारतीय कारीगरी के विनाश की गति और तेज़ हुई ।

OR

हिन्दी भारतवर्ष के एक बहुत विशाल प्रदेश की साहित्य-भाषा है । राजस्थान और पंजाब राज्य की पश्चिमी सीमा से लेकर बिहार के पूर्वी सीमान्त तक तथा उत्तर प्रदेश के उत्तरी सीमान्त से लेकर मध्य प्रदेश के मध्य तक के अनेक राज्यों की साहित्यिक-भाषा को हम हिन्दी कहते आए हैं । इस प्रदेश में अनेक स्थानीय बोलियाँ प्रचलित हैं । सबका भाषा-शास्त्रीय ढाँचा एक जैसा ही नहीं है, साहित्य में भी किसी एक ही बोली के ढाँचे का सदा व्यवहार नहीं होता था, फिर भी हिन्दी साहित्य की चर्चा करने वाले सभी देशी-विदेशी विद्वान इस विस्तृत प्रदेश के साहित्यिक प्रयत्नों के लिए व्यवहृत भाषा या भाषाओं को हिन्दी कहते रहे हैं । वस्तुत: हिन्दी साहित्य के इतिहास में हिन्दी शब्द का व्यवहार बड़े व्यापक अर्थों में होता रहा है ।

6. Write a short note on any ***one*** of the following : *10*

(a) Problem of Untranslatability

(b) Attributes of Good Translation

अनुवाद अध्ययन में एम.फिल./पी.एच.डी.
प्रवेश परीक्षा, 2018

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट :

(i) ***सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।*

(ii) *प्रत्येक प्रश्न के लिए निर्धारित अंक उसके सम्मुख दिए गए हैं ।*

खण्ड I

1. ज्ञान के सृजन में शोध की भूमिका की चर्चा कीजिए । *20*

अथवा

एक अच्छे शोधकर्ता के क्या लक्षण हैं ?

2. अनुवाद से संबंधित किसी विषय पर शोध की रूपरेखा तैयार कीजिए । *20*

अथवा

अपनी पसंद के विषय को शोध के लिए चुनिए तथा शोध-प्रबंध लिखने से पूर्व जिन विभिन्न चरणों से आपको गुज़रना होगा, उनकी चर्चा कीजिए ।

3. निम्नलिखित में से किसी ***एक*** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : *10*

(क) शोध के लिए पुस्तकालय संसाधनों का उपयोग

(ख) स्टाइल शीट

खण्ड II

4. वर्तमान शताब्दी में अनुवाद के महत्त्व की चर्चा कीजिए । *20*

अथवा

भारतीय बहुभाषी समाज में अनुवाद सांस्कृतिक समझ का एक साधन है । विस्तार से व्याख्या कीजिए ।

5. (क) निम्नलिखित का अनुवाद हिन्दी में कीजिए : *10*

The Upanishads are rightly regarded as the fountainhead of all Indian philosophy. Bloomfield remarks, "There is no important form of Hindu thought, heterodox Buddhism included, which is not rooted in the Upanishads." Dr. S. Radhakrishnan says : "Later systems of philosophy display an almost pathetic anxiety to accommodate their doctrines to the views of the Upanishads, even if they cannot father them all on them." Prof. R.D. Ranade says : "The Upanishads constitute that lofty eminence of philosophy, which from its various sides gives birth to rivulets of thought, which, as they progress onwards the sea of life, gather strength by the inflow of innumerable tributaries of speculation which intermittently join these rivulets, so as to make a huge expanse of waters at the place where they meet the ocean of life.

अथवा

The growth of critical theory in the post-war period seems to comprise a series of waves, each associated with a specific decade, and all aimed against the liberal humanist consensus just illustrated, which had been established between the 1930s and 1950s. In the 1960s, firstly, there were two older, but still unassimilated, rival new approaches, these being Marxist criticism, which had been pioneered in the 1930s and then reborn in the 1960s as psychoanalytic criticism, which was of the same vintage and was similarly renewing itself in the 1960s. At the same time two new approaches were mounting vigorous direct assaults on liberal humanist orthodoxies, namely, linguistic criticism which came into being in the early 1960s and the early forms of feminist criticism, which started to become a significant factor at the end of the decade.

(ख) निम्नलिखित का अंग्रेज़ी में अनुवाद कीजिए : *10*

ब्रिटेन और अन्य देशों की मशीन से बनी सस्ती वस्तुओं की भारत में जो बाढ़ आई, वह ग्रामीण शिल्प के ह्रास का मूल कारण थी । रेलवे और बसों की मदद से हर सामान आसानी से गाँवों में पहुँचने लगा । रेलवे और वाष्पचालित जलयानों के कारण यूरोप के मशीन मालिकों के लिए भारतीय किसानों को उनके अपने ग्रामीण शिल्पकारों से भी कम दाम में सामान देना संभव हो गया । अन्तर्राष्ट्रीय विशिष्टता और वाणिज्य ने आत्मनिर्भर स्थानीय अर्थव्यवस्था की जगह ली और यह भारतीय कारीगरों के पराभव का मूल कारण था । उन्नीसवीं सदी के उत्तरार्ध में और उसके बाद भी स्वयं भारत में जो आधुनिक उद्योगों का विकास हुआ उसके कारण भारतीय कारीगरी के विनाश की गति और तेज़ हुई ।

अथवा

हिन्दी भारतवर्ष के एक बहुत विशाल प्रदेश की साहित्य-भाषा है । राजस्थान और पंजाब राज्य की पश्चिमी सीमा से लेकर बिहार के पूर्वी सीमान्त तक तथा उत्तर प्रदेश के उत्तरी सीमान्त से लेकर मध्य प्रदेश के मध्य तक के अनेक राज्यों की साहित्यिक-भाषा को हम हिन्दी कहते आए हैं । इस प्रदेश में अनेक स्थानीय बोलियाँ प्रचलित हैं । सबका भाषा शास्त्रीय ढाँचा एक जैसा ही नहीं है, साहित्य में भी किसी एक ही बोली के ढाँचे का सदा व्यवहार नहीं होता था, फिर भी हिन्दी साहित्य की चर्चा करने वाले सभी देशी-विदेशी विद्वान इस विस्तृत प्रदेश के साहित्यिक प्रयत्नों के लिए व्यवहृत भाषा या भाषाओं को हिन्दी कहते रहे हैं । वस्तुत: हिन्दी साहित्य के इतिहास में हिन्दी शब्द का व्यवहार बड़े व्यापक अर्थों में होता रहा है ।

6. निम्नलिखित में से किसी ***एक*** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : *10*

(क) अननुवाद्यता की समस्या

(ख) अच्छे अनुवाद के गुण